

अनुमति

सेवा में,

प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय पाटी

(चम्पावत)

महोदय,

सादर सूच्य है कि दिनांक 18-07-2025 को हिंदी विभाग में सत्र 2025 - 2026 विभागीय परिषद का गठन किया जाना है, अतएव आपसे निवेदन है कि उक्त दिवस को विभागीय परिषद के गठन की अनुमति प्रदान करने की कृपा कीजिएगा।

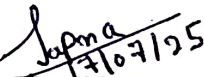
धन्यवाद



प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय
पाटी (चम्पावत)

सादर


कु. सपना

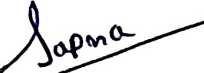
हिंदी विभाग

राजकीय महाविद्यालय पाटी

सूचना

महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 18- 07-2025 को महाविद्यालय में हिंदी विभाग के अन्तर्गत विभागीय परिषद का गठन किया जाना है। अतएव बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, तृतीय सेमेस्टर एवं पंचम सेमेस्टर के हिंदी विषय के समस्त विद्यार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य है। समस्त विद्यार्थी प्रातः 10 बजे राजकीय महाविद्यालय पाटी में उपस्थित हो जायें।


प्राचाय
राजकीय महाविद्यालय
बुढ़ा (चम्पाधर)


कुं. सपना

हिंदी विभाग

राजकीय
महाविद्यालय पाटी

प्रतिवेदन

हिंदी परिषद - सत्र 2025 - 2026

आज दिनांक 18-07-25 को हिंदी विभाग के अन्तर्गत हिंदी परिषद का गठन किया गया। विद्यार्थियों की सर्वसम्मति से हिंदी परिषद के पदाधिकारी निर्वाचित हुए। पदाधिकारियों का विवरण निम्नवत् है-

समन्वयक - कु. सपना

अध्यक्ष - हिमानी (B.A. V th सेमेस्टर)

उपाध्यक्ष - धीरज जोशी (B.A. III nd सेमेस्टर)

छात्रा उपाध्यक्ष - नेहा (B.A. I st सेमेस्टर)

सचिव - रंजना (B.A. .I st सेमेस्टर)


कु. सपना

(हिंदी विभाग)

राजकीय महाविद्यालय पाटी



प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय
पाटी (बम्बई)

क्रम सं	छात्र - छात्रा का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1	हिमानी	B.A 6 th sem	Himani
2	दीपा	B.A 6 th sem	Deepa
3	अनुष्का	B.A 6 th sem	Anushka
4	किरण	B.A 2 th sem	Kirana
5	अंजलि	B.A 4 th sem	Anjali
6	रविना	B.A 2 th sem	Ravina
7	मीनाक्षी	B.A 4 th sem	minakshi
8	अनीता	B.A 4 th sem	Anita
9	पूजा जोशी	B.A II th Sem	Pooja Joshi
10	मंजू	B.A II th Sem	Manju
11	रंजना	B.A II nd Sem	Ranjana
12	नेहा	B.A II nd sem	Neha
13	दीया पंगरिया	B.A IV th sem	Diya
14	मनीषा महताड़	B.A IV th Sem	Mahisha

Prady

प्राचार्य

राजकीय महविद्यालय

रास (चम्पावत)

अनुमति

सेवा में,

प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय पाटी (चँपावत),

सहोदय,

सादर सूच्य है कि दिनांक 31/07/2025 को
प्रेमचंद जयंती के अवसर पर, महाविद्यालय में एक
कार्यक्रम आयोजित किया जाना है।

अतएव आपसे निवेदन है कि उक्त दिवस को कार्यक्रम
करवाने की अनुमति प्रदान कीजिएगा, जिस हेतु विद्यार्थियों

की जलपान की व्यवस्था कराने का कष्ट करे।

Sapna
सादर

कुं सपना

हिंदी विभाग

(रा. महा. पाटी - चँपावत)

अनुमति



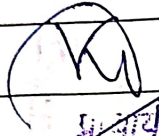
21/7/25

Date: / /

S. No.:

रूचना

राजकीय महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र / छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 31 जुलाई 2025 को प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। अतः समस्त विद्यार्थी अपनी उपस्थिति अनिवार्य रूप से बनायें रखें।


राजकीय महाविद्यालय
बारा (बिहार)

Japna

कु. सपना
असि. प्रोफेसर हिंदी विभाग
रा. मध. पाटी चंपावत

प्रतिवेदन

प्रेमचंद जयंती कार्यक्रम ,

स्थान: राजकीय महाविद्यालय, पाटी चंपावत

तिथि: 31 जुलाई 2025

अवसर: प्रेमचंद जी की 145वीं जयंती

राजकीय महाविद्यालय पाटी में 31 जुलाई 2025 को हिंदी साहित्य के महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन हिंदी विभाग द्वारा किया गया, जिसमें छात्रों, प्राध्यापकों एवं साहित्य प्रेमियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्या डॉ. के. के. मिश्रा जी द्वारा दीप प्रज्वलन और प्रेमचंद जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन कु. सपना द्वारा किया गया। इसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा प्रेमचंद की रचनाओं पर आधारित नाट्य प्रस्तुति, कविता पाठ एवं विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। कु. सपना ने प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं साहित्यिक योगदान पर विद्यार्थियों से चर्चा परिचर्चा की गई।

छात्रा दीपिका जोशी ने: "ईदगाह", कहानी का सार प्रस्तुत किया "पूस की रात" दीक्षा टकवाल एवं, सुमन आर्य ने "कफन" की मूल संवेदना पर अपने विचार व्यक्त क किये जैसी प्रसिद्ध कहानियों का पाठ और विश्लेषण किया।

विचार गोष्ठी: डॉ धर्मवीर सिंह, एवं डॉ अलका आर्य सभी प्राध्यापकों ने प्रेमचंद के यथार्थवादी दृष्टिकोण और सामाजिक चेतना पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में साहित्यिक चेतना का विकास करना तथा प्रेमचंद के आदर्शों को समझाना था। अंत में प्राचार्या जी ने अपने प्रेरणादायक भाषण में प्रेमचंद के साहित्य की सामयिक प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। प्रेमचंद की रचनाओं की प्रासंगिकता आज भी उतनी ही

महत्वपूर्ण है जितनी कि उनके समय में थी। उनके साहित्य में सामाजिक यथार्थ का चित्रण, जातिगत अन्याय, स्त्री अस्मिता, और नैतिकता जैसे मुद्दों को उठाया गया है, जो आज भी प्रासंगिक हैं।

कार्यक्रम संचालक द्वारा प्रेमचंद की प्रासंगिकता के महत्वपूर्ण बिंदु: पर विचार- विमर्श किया गया।

सामाजिक यथार्थ- प्रेमचंद के साहित्य में सामाजिक यथार्थ का चित्रण किया गया है, जो आज भी भारतीय समाज की वास्तविकता है। उनके पात्र और कथाएं सामाजिक विषमताओं, जातिगत भेदभाव, और स्त्री शोषण जैसे मुद्दों को उजागर करती हैं।

जातिगत अन्याय- प्रेमचंद के साहित्य में जातिगत अन्याय का चित्रण किया गया है, जो आज भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। उनकी रचनाएं हमें जातिगत भेदभाव के प्रति जागरूक करती हैं और सामाजिक न्याय की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं।

स्त्री अस्मिता -प्रेमचंद के साहित्य में स्त्री अस्मिता का महत्वपूर्ण स्थान है। उनकी रचनाएं स्त्री की पीड़ा, चेतना, और स्वाभिमान को उजागर करती हैं और स्त्री सशक्तिकरण की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं।

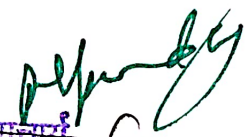
नैतिकता और मूल्य: प्रेमचंद के साहित्य में नैतिकता और मूल्यों का महत्वपूर्ण स्थान है। उनकी रचनाएं हमें नैतिकता के महत्व को समझने और अपने जीवन में इसके पालन की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं।

ग्रामीण जीवन: प्रेमचंद के साहित्य में ग्रामीण जीवन का महत्वपूर्ण स्थान है। उनकी रचनाएं ग्रामीण जीवन की वास्तविकता को उजागर करती हैं और ग्रामीण विकास की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं।

प्रेमचंद की रचनाएं आज भी हमें समाज की वास्तविकता को समझने और सामाजिक न्याय, स्त्री सशक्तिकरण, और नैतिकता जैसे मुद्दों पर काम करने के लिए प्रेरित करती हैं।¹

निष्कर्ष:

कार्यक्रम अत्यंत सफल और प्रेरणादायक रहा। छात्रों ने प्रेमचंद के जीवन और साहित्य से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों को जाना और उनमें लेखन के प्रति रुचि जागृत हुई। इस प्रकार यह आयोजन प्रेमचंद जी के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य डॉ. के. के. मिश्रा, डॉ. धर्मवीर सिंह, श्रीमती हिना परवीन, श्रीमती अलका आर्य, कार्यलय अधीक्षक श्री भगवती प्रसाद, एवं अन्य शिक्षणेत्तर कर्मचारी श्री राहुल मेहता, श्री शंकर लाल, और छात्र/सम्मिलित रहें।


प्रमुख प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
भारत (चम्पावत)


कु. सपना
हिंदी विभागाध्यक्ष
रा. म. छा. पारी



क्र.सं	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1	दीपिका जोशी	B.A. 2 nd sem	Deepika
2	सुमन आर्या	B.A 4 th sem	Suman
3	मोनिका मेहता	B.A 4 th sem	Monika
4	कोमल बिष्ट	B.A. 2 th sem	Komal/Bisht
5	रीतु गोरवामी	B.A I Sem	Ritu
6	सुनीता गोरवामी	B.A I Sem	Sunita
7	दीक्षा टकवाल	B.A II Sem	Diksha
8	सुमन मेहता	B.A II Sem	Suman
9	दिया बिष्ट	B.A II Sem	Diya
10	चंद्रनी	B.A 1 st Sem	Chandni
11	गौरव मथिला	B.A - I Sem	Gaurav
12	मुकेश कुमार	B.A. I sem	Mukesh
13	धर्मनंद आर्या	B.A I sem	Dharmendra
14	सावित्रा (कुमार)	B.A I Sem	Savitrish
15	साचिन शर्मा	BAT sem	Sachin

अनुमति

सेवा में;

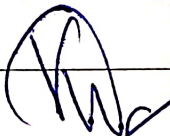
प्राचार्य

रा. महा. पाटी चंपावत

महोदय,

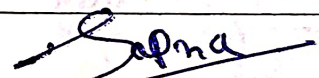
सादर सूच्य है कि महाविद्यालय में 14 सितंबर एवं 15 सितम्बर को अवकाश होने के कारण 14 सितम्बर हिंदी दिवस का आयोजन 16 सितम्बर को होने जा रहा है,

अतः महोदय से निवेदन है कि उक्त तिथि पर हिंदी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित कराने की अनुमति प्रदान कीजिएगा।



प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय
रादा (चम्पावत)



सादर

कु. सपना
असि. प्रो. हिंदी विभाग

सूचना

महाविद्यालय में अध्यापनरत समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है, कि 14 सितम्बर 15 सितम्बर को महाविद्यालय में अवकाश होने के कारण 16 अगस्त को हिंदी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, अतः समस्त विद्यार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य है।

14

प्राचार्य
राजकीय महानिदेशालय
पारा (बम्बय)

Sapna

कु० सपना
आसे. प्रो. हिंदी विभाग
(रा० महा. पाली)

प्रतिवेदन

हिंदी दिवस 14 सितंबर 2025

स्थान: राजकीय महाविद्यालय पाटी, चंपावत

आयोजक: हिंदी विभाग, राजकीय महाविद्यालय पाटी

हर वर्ष 14 सितंबर को पूरे देश में हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी कड़ी में राजकीय महाविद्यालय पाटी, चंपावत में 14 सितंबर 15 सितंबर पर अवकाश होने के कारण 16 सितंबर को हिंदी विभाग के तत्वावधान में हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में विविध सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य हिंदी भाषा के महत्व को उजागर करना और छात्रों में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. के. के मिश्रा ने प्रेरणादायक उद्बोधन से हुआ। उन्होंने हिंदी के राष्ट्रीय गौरव और सांस्कृतिक पहचान के रूप में महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने छात्रों को हिंदी भाषा के संरक्षण और संवर्धन हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम विवरण:

कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार रही:

स्वागत गीत - बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्राओं द्वारा प्रस्तुति।

निबंध प्रतियोगिता - विषय: "वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा का स्वरूप" विषय पर निबंध प्रतियोगिता करायी गयी जिसमें प्रथम स्थान रेनू बिष्ट बी.ए.प्रथम सेमेस्टर निखिल बी.ए. तृतीय सेमेस्टर एवं सुमन आर्य बी.ए पंचम सेमेस्टर किरन बी.ए प्रथम सेमेस्टर सचिन कुमार बी.ए पंचम सेमेस्टर सभी छात्र /छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

काव्य पाठ - छात्रों द्वारा स्वलिखित कविताओं का भावपूर्ण पाठ।

भाषण प्रतियोगिता - हिंदी के विकास, चुनौतियाँ और भविष्य पर आधारित वक्तव्यों ने श्रोताओं को प्रभावित किया। धीरज बी. ए तृतीय सेमेस्टर छात्र ने भाषण प्रस्तुत किया

पुरस्कार वितरण - प्रतियोगिताओं में विजयी छात्रों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

वक्तव्य:

विभागाध्यक्ष कु.सपना ने हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उसकी समृद्ध साहित्यिक परंपरा, और वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में उसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तकनीक युग में भी हिंदी को अपनाना और उसे आगे बढ़ाना आज की आवश्यकता है।

कि हम जानते हैं, 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। तभी से हर वर्ष 14 सितंबर को हम हिन्दी दिवस के रूप में मनाते रहे हैं।

हिन्दी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारे संस्कार, संस्कृति और एकता का प्रतीक है। यह वह माध्यम है, जो देश के कोने-कोने को जोड़ती है। आज़ादी के आंदोलन में हिन्दी ने लोगों को जोड़ने का काम किया, और आज भी यह हमारी पहचान को मजबूत करती है।

हमारे देश में सैकड़ों भाषाएं और बोलियाँ बोली जाती हैं, लेकिन हिन्दी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। पूरे विश्व में हिन्दी बोलने वालों की संख्या तीसरी सबसे अधिक है – यह गर्व की बात है!

लेकिन प्यारे विद्यार्थियों, एक सच्चाई यह भी है कि आज के डिजिटल युग में हम अपनी मातृभाषा से थोड़ा दूर होते जा रहे हैं। हमें अंग्रेजी सीखनी चाहिए, यह ज़रूरी है, लेकिन हिन्दी को भूलना नहीं चाहिए। हमें गर्व होना चाहिए कि हम एक ऐसी भाषा बोलते हैं, जिसमें कबीर, तुलसी, प्रेमचंद और महादेवी वर्मा जैसे महान साहित्यकारों ने लिखा।

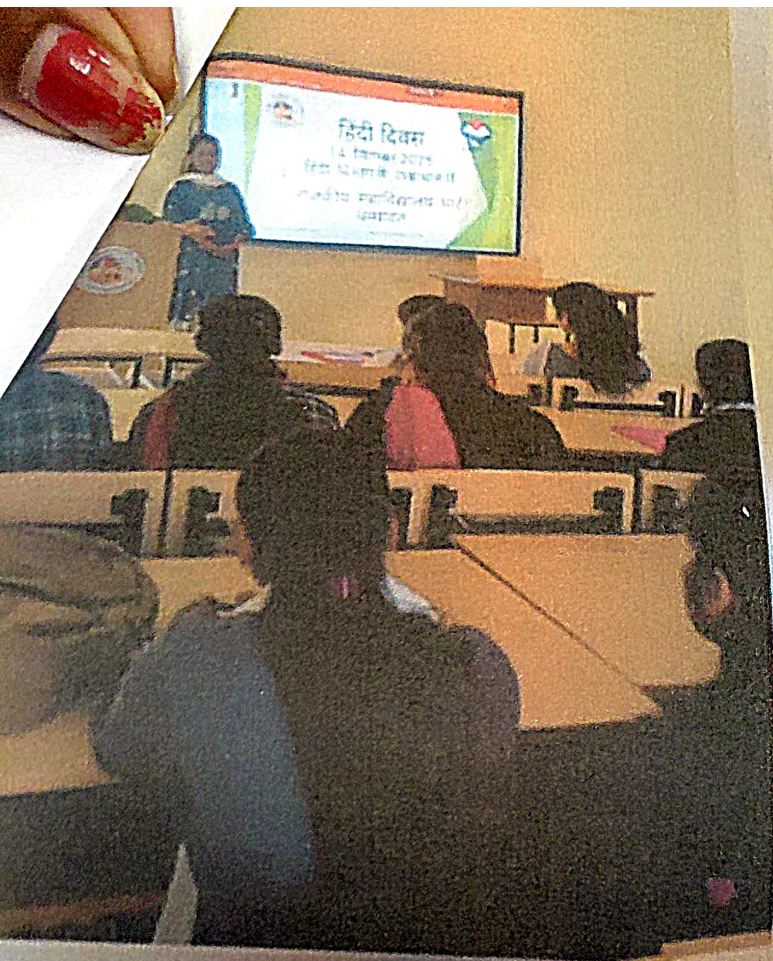
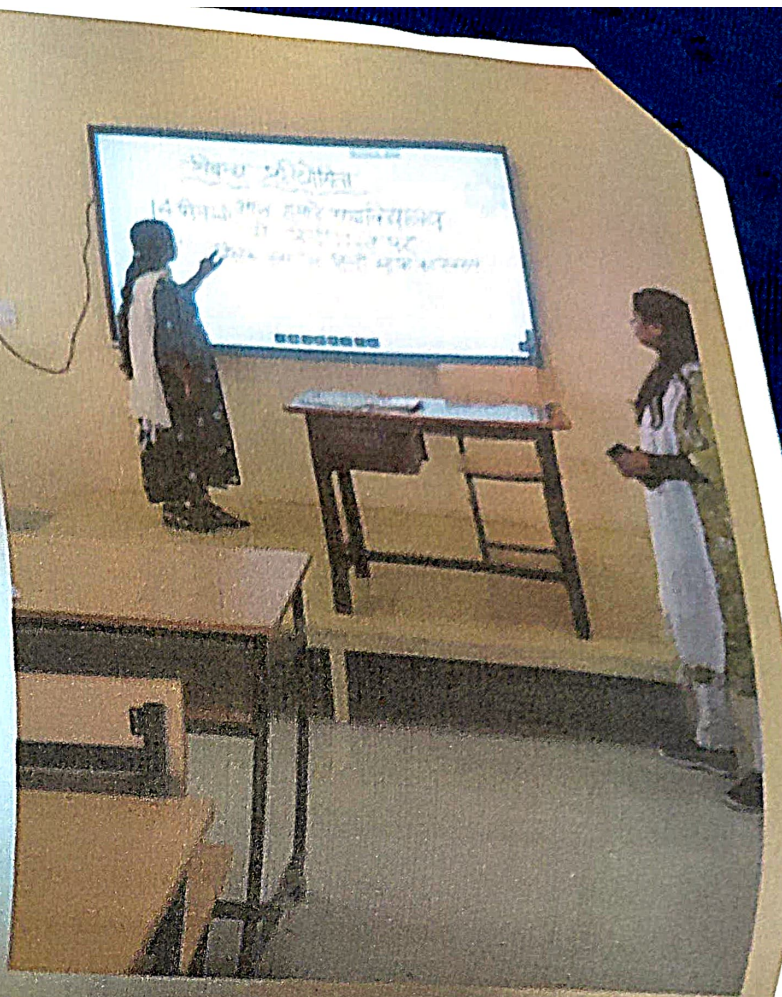
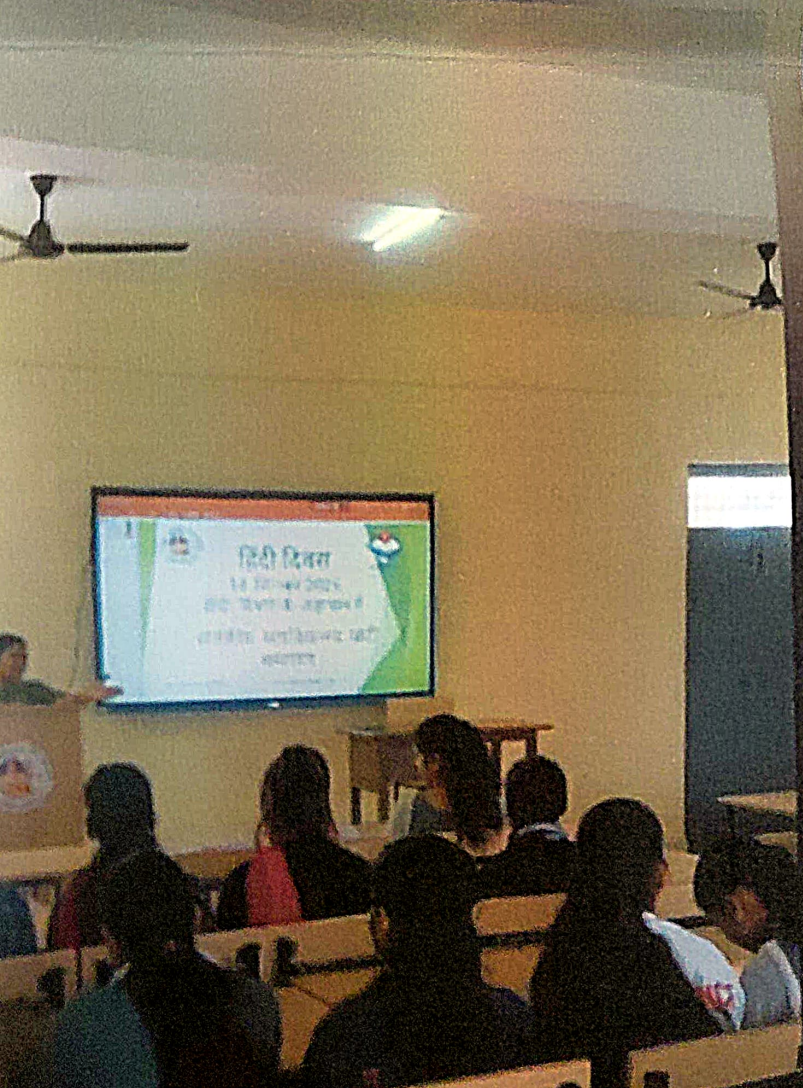
आज हिन्दी को केवल बोलने तक सीमित न रखें – हमें हिन्दी में लिखना, पढ़ना, और सोचने की आदत डालनी चाहिए।

इस हिन्दी दिवस पर, आइए हम यह संकल्प लें कि –

“जहाँ कहीं भी संभव हो, हम हिन्दी का प्रयोग करेंगे और अपनी भाषा को सम्मान देंगे।”

अंत में, मैं अपने भाषण को हरिवंश राय बच्चन की एक प्रसिद्ध पंक्ति से समाप्त करना चाहूँगी
“मिट्टी का तन, मस्ती का मन, क्षण भर जीवन – मेरा परिचय।”

और यह परिचय हिन्दी में ही सबसे सुंदर लगता है। अर्थात् हिंदी भाषा सर्वाधिक सरल सहज , भावाभिव्यक्ति का माध्यम है।



निष्कर्ष:

हिंदी दिवस समारोह ने न केवल छात्रों में भाषिक अभिव्यक्ति की क्षमता को बढ़ावा दिया, बल्कि हिंदी के प्रति गौरव की भावना को भी सुदृढ़ किया। यह आयोजन पूर्णतः सफल और प्रेरणादायक रहा। हिंदी भाषा हिंदी कार्यक्रम में समस्त प्राध्यापक श्रीमती हिना परवीन, श्रीमती अलका आर्य, श्रीमती रितु, (कार्यालय अधीक्षक) श्री भगवती प्रसाद, एवं महाविद्यालय के अन्य कर्मचारी एवं सभी विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

(K)
प्राचार्य

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
पादा (चम्पावत)

संयोजक
कु० सपना
(असि. प्री हिंदी विभाग)

क्र.सं.	दात/दाता का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1	रेनु बिष्ट	B.A I th Sem	Renu Bisht
2	Rashmi Patni	B.A II Sem	Rashmi
3	काविता	B.A I Sem	काविता
4	संजना	B.A II Sem	Sanjana
5	कुसुम	B.A V Sem	Kurum
6	भावना	B.A III Sem	Bhaw van
7	सुमन जाया	B.A V Sem	Suman
8	दीपिका जोशी	B.A III Sem	Deepika
9	आविष	B.A (V) Sem	Avish
10	सचिन कुमार	B.A V Sem	Sachin
11	धीरज जोशी	B.A IIIrd Sem	Deeraj
12	निखिल	B.A IIIrd Sem	Nikhil
13	कमल गहलोटी	B.A II Sem	Kamal
14	Ajay Singh	B.A II Sem	Ajay Singh
15	Deepak Singh	B.A II Sem	Deepak
16	Kamal Pachhi	B.A II Sem	Kamal
17	Gaurav mehta	B.A III Sem	Gaurav
18	Ankita	B.A I Sem	Ankita
19	Sayana	B.A I Sem	Sayana
20	पूजा	B.A III Sem	Pooja
21	निषा	B.A III Sem	Nisha
22	मनीषा	B.A III Sem	Manisha
23	रंजना	B.A I Sem	Ranjana
24	नेहा	B.A I Sem	Neha
25	Pooja	B.A I Sem	Pooja

Date: / /

S. No.:

अनुमति

सेवा में,

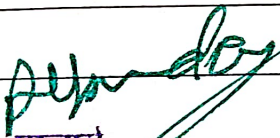
प्राचार्य

रा. महा. पाटी (चंपावत)

महोदय,

सादर सूच्य है कि महाविद्यालय में 1 23 सितंबर 2025 को दिनकर जयंती के अवसर पर हिंदी विभाग की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया जाना है।

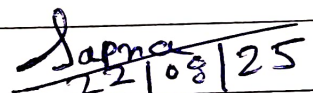
अतएव आपसे निवेदन है कि उक्त दिवस पर महाविद्यालय में कार्यक्रम करने की अनुमति प्रदान की जाएगी।



प्राचार्य

राजस्थानीय महाविद्यालय

पाटी (चम्पावत)



कु. सपना

(हिंदी विभाग)

रा. महा. पाटी (चम्पावत)

शून्यता

महाविद्यालय में अध्ययनरत सगस्त छात्र - छात्राओं सूचित किया जाता है, कि दिनांक 23 सितंबर 2025 प्रातः 11 बजे महाविद्यालय में रामधारीहिंदूदिनकर जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, अतः आप सभी छात्र - छात्राओं अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

[Signature]
प्रचार्य

राजकीय महाविद्यालय

पारा (चम्पावत)

[Signature]

कु० संपना

हिंदी विभाग

रा० महा० पार्टी (चम्पावत)

प्रतिवेदन

23 सितम्बर 2025 सिंह रामधारी सिंह 'दिनकर' जयंती कार्यक्रम

स्थान: राजकीय महाविद्यालय, पाटीतिथि: 23 सितंबर 2025

समय: प्रातः 10:00 बजे से

राजकीय महाविद्यालय पाटी में 23 सितंबर को साहित्य के युग प्रवर्तक राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की जयंती के अवसर पर विद्यार्थियों को उनके जीवन, काव्य एवं देशभक्ति के प्रति योगदान से अवगत किया गया।

मुख्य कार्यक्रम:

दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि: कार्यक्रम की शुरुआत दिनकर जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई।

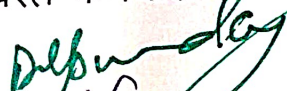
अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो. डॉ. आर. के पांडेय समस्त प्राध्यापक डॉ. हिना परवीन, डॉ. के. के. मिश्रा डॉ. धर्मवीर सिंह, श्रीमती रितु एवं अन्य शिक्षणोत्तर कर्मचारी सम्मिलित थे। स्वागत भाषण: हिंदी विभागाध्यक्ष कु. सपना द्वारा दिनकर जी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर संक्षिप्त उद्बोधन दिया गया।

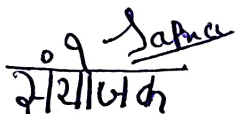
छात्रों द्वारा प्रस्तुति:

कविता पाठ: विद्यार्थियों ने दिनकर जी की कविताओं जैसे 'परशुराम की प्रतीक्षा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र धीरज जोशी ने एवं 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है' में पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुमन आर्या ने कविता पर भावपूर्ण पाठ किया। भाषण प्रतियोगिता: "दिनकर का राष्ट्रवाद" विषय पर छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम: छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीत एवं नाटक का मंचन, जिसमें दिनकर जी की कविताओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

समापन - प्राचार्य डॉ. प्रो. आर. के पांडेय ने समापन भाषण में दिनकर जी की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से साहित्य एवं राष्ट्र सेवा की प्रेरणा लेने का आग्रह किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक, छात्र-छात्राएँ एवं स्थानीय गणमान्य नागरिकों की सहभागिता रही। दिनकर जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन हिंदी विभाग द्वारा सफलतापूर्वक किया गया कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक डॉ. के. के. मिश्रा, डॉ. धर्मवीर सिंह, श्रीमती रितु, श्रीमती हिना परवीन, कार्यालय अधीक्षक श्री भगवती प्रसाद, एवं महाविद्यालय के अन्य कार्यरत कर्मचारी एवं विद्यार्थी सम्मिलित हुए।


प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
पाटी (चम्पावत)


संयोजक
कु. सपना
आसि. प्रो. हिंदी विभाग



S. No.:

क्र.सं.	छात्र / छात्रा	कक्षा	हस्ताक्षर
1	हिमाना दीपा	B.A 6 th sem	Himani
2.	अनुष्का	B. A 6 th sem	Deepa
3.	अंजली	B. A 6 th sem	Anjali
4	रविना	B. A IV sem	Ravina
5	कार्त्तिकेय	B. A 2 nd sem	Kar Kartikey
6	मीनाक्षी	B. A 4 th sem	Minakshi
7	अनीता	B. A 4 th sem	Anita
	पूजा जोशी	B. A II sem	Pooja JOSHI
	मंजू	B. A II Sem	Manju
	रंजना	B. A II nd sem	Ranjana
	नेहा	B. A II nd sem	Neha

अनुमति

सेवा में:

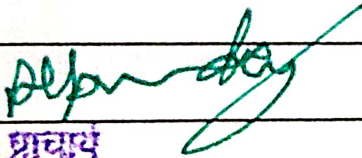
प्राचार्य

रा. महा. पाटी

महोदय

सादर सूचा है कि महाविद्यालय में 24 फरवरी 2022 को सूर्यकांत त्रिपाठी जंथनी के उपलक्ष्य में हिंदी विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है,

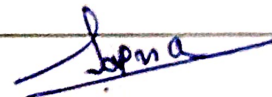
अतः आपसे निवेदन है कि उक्त दिवस पर महाविष में कार्यक्रम करने की अनुमति प्रदान करें,



प्राचार्य

राजकीय महामन्त्रालय

रा. (चम्पावत)



कु. सपना

हिंदी विभाग

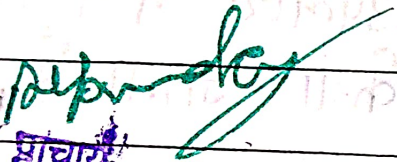
आसि. प्रो. हिंदी

रा. महा. पाटी

सूचना

महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 21 फरवरी 2026 को निराला जयंती के अवसर पर महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है।

अतः समस्त छात्र - छात्राएँ प्रातः 11:00 बजे महाविद्यालय में अपनी उपस्थिति बिलग रखें।



प्रिंसिपल
राजकीय महाविद्यालय
पटौड़ा (चम्पावत)

Jaipura
20/02/26

कु० सपना

आसी. प्रौ. हिंदी विभाग

श. महा. पटौरी

प्रतिवेदन

कार्यक्रम - निराला जयंती

आयोजन तिथि - 21 फरवरी 2026

स्थान- राजकीय महाविद्यालय पाटी

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जयंती पर आज दिनांक 21 फरवरी 2026 को राजकीय महाविद्यालय पाटी में हिंदी साहित्य के महान कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। हिंदी विभाग की छात्राओं द्वारा 'वर दे, वीणावादिनी वर दे' सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी गई, जो स्वयं निराला जी द्वारा रचित एक कालजयी वंदना है।

इस अवसर पर कु सपना विभागाध्यक्ष हिंदी ने अपने व्याख्यान में कहा कि निराला जी छायावाद युग के प्रमुख स्तंभ थे। उन्होंने हिंदी कविता को नई दिशा दी और सामाजिक रूढ़ियों तथा अंधविश्वासों के विरुद्ध अपनी लेखनी चलाई। उनकी रचनाओं में करुणा, विद्रोह और मानवता की भावना स्पष्ट दिखाई देती है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा उनकी प्रसिद्ध कविताओं का पाठ किया गया, जिनमें बी. ए तृतीय सेमेस्टर छात्रा अंजलि ने "वह तोड़ती पत्थर" कविता का पाठ किया, और बी ए पंचम सेमेस्टर की छात्रा रश्मि ने "राम की शक्ति पूजा" कविता का पाठ किया।

छात्रा दीपिका ने निराला जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जन्म 21 फरवरी 1896 को बंगाल के मेदिनीपुर जिले में हुआ था और उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा है। हिंदी साहित्य के क्रांतिकारी कवि, छायावाद के आधार स्तंभ और 'महाप्राण' के रूप में विख्यात सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जी की जयंती के अवसर पर आज दिनांक 21 फरवरी, 2026 को राजकीय महाविद्यालय पाटी में साहित्यिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के भीतर साहित्यिक अभिरुचि जागृत करना और निराला जी के संघर्षमय जीवन तथा उनकी प्रगतिशील विचारधारा से नई पीढ़ी को न कार्यक्रम के प्रथम सत्र में 'निराला का साहित्य और सामाजिक चेतना' विषय पर एक लघु संगोष्ठी आयोजित की गई। कु सपना ने विभागाध्यक्ष (हिंदी) : उन्होंने निराला जी की काव्य यात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि निराला ने किस प्रकार रूढ़ियों को तोड़कर 'मुक्त छंद' की नींव रखी। वक्ताओं के विचार: प्रवक्ताओं ने निराला की कविताओं जैसे 'भिक्षुक', 'वह तोड़ती पत्थर' और 'बादल राग' के माध्यम से उनके विद्रोही स्वर और शोषित वर्ग के प्रति उनकी संवेदनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि निराला का साहित्य केवल कविता नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध एक गर्जना है। काव्य पाठ: बीए के छात्र-छात्राओं ने निराला जी की प्रसिद्ध कविताओं का सस्वर पाठ किया। 'राम की शक्ति पूजा' के ओजस्वी पाठ ने सभागार को ऊर्जा से भर दिया। निबंध एवं भाषण: 'निराला का व्यक्तित्व: फक्कड़पन और स्वाभिमान' विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उनके जीवन के संघर्षों और उनकी दानशीलता के प्रेरक प्रसंग सुनाए।



"निराला जी का जीवन हमें विषम परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने की शिक्षा देता है। उनका साहित्य 'सरोज स्मृति' जैसी करुणा से लेकर 'कुकुरमुत्ता' जैसे तीखे व्यंग्य तक फैला हुआ है, जो हर युग के पाठक को झकझोरता है।" उन्होंने सफल आयोजन के लिए हिंदी विभाग को बधाई दी। विभागाध्यक्ष हिंदी द्वारा सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक श्रीमती हिना परवीन , श्रीमती ऋतु , श्रीमती निर्मला जोशी , श्रीमती अलका आर्य , एवं समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।





क्र.स	छात्र/छात्रा नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1	हिमानी	B.A. 6 th sem	Himani
2	दीपा	B.A. 6 th sem	Deepa
3	पूजा जोशी	B.A II sem	Pooja Joshi
4	मन्जू	B.A II Sem	Manju
5	रंजना	B.A II nd sem	Ranjana
6	नेहा	B.A II nd sem	Neha
7	मनीषा गहमोड़ी	B.A IV sem	Manisha
8	दीया पंगरिया	B.A IV sem	Diya